RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 04 SEPTEMBER TO 10 SEPTEMBER 2024 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 09 ■ अंक 50 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

कोयले का उत्पादन 384 मिलियन टन तक पहुंचा

Page 2

वर्ल्ड बैंक ने दी गुड न्यूज, बढ़ा दिया भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान

Page 3

भारत-रूस का कारोबार 2023 में लगभग हो गया डबल, आंकड़े जान रह जाएंगे हैरान

Page 4

editoria!

महत्वपूर्ण पहल

केंद्र सरकार ने कृषि क्षेत्र और खाद्य सुरक्षा को मजबूती देने के लिए सात बड़ी परियोजनाओं को स्वीकृति दी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट के निर्णयों का उद्देश्य खेती से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देना तथा किसानों के जीवन को बेहतर करना है. इन परियोजनाओं के लिए 13,966 करोड़ रुपये के आवंटन को हरी झंडी दिखायी गयी है. इस आवंटन में से 2,817 करोड़ रुपये डिजिटल कृषि मिशन तथा 2,291 करोड़ रुपये कृषि शिक्षा एवं प्रबंधन के लिए निर्धारित किये गये हैं. डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल से कई क्षेत्रों में विकास की नयी इबारत लिखी जा रही है. अब कृषि क्षेत्र के लिए भी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया जायेगा. हालांकि हम खाद्यान्न के मामले में बहुत पहले आत्मनिर्भर हो चुके हैं, पर सभी भारतवासियों के लिए खाद्य सुरक्षा और पर्याप्त पोषण सुनिश्चित करने की दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है. इस संबंध में एक विशेष योजना बनायी जा रही है, जिस पर 3,979 करोड़ रुपये खर्च होंगे. इस योजना के तहत देशभर में पोषणयुक्त भोजन उपलब्ध कराया जायेगा, ताकि भूख और कुपोषण जैसी महती चुनौतियों का ठोस समाधान हो सके. कोरोना काल से ही मुफ्त राशन योजना चलायी जा रही है. इस योजना के तहत गरीब एवं वंचित परिवारों को प्रति व्यक्ति के हिसाब से पांच किलो राशन हर महीने दिया जाता है. इसके लाभार्थियों की संख्या 80 करोड़ से अधिक है. इसी तरह, पोषण मिशन के अंतर्गत अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं. पशुपालन और बागवानी खेती के अहम हिस्से हैं. फलों, सब्जियों, दुग्ध उत्पाद, मांस आदि के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और उपलब्धता के लक्ष्यों के साथ योजनाओं को तैयार किया गया है. कृषि विज्ञान केंद्रों को मजबूत करने तथा प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए भी कैबिनेट ने आवंटन को मंजूरी दी है. कृषि से संबंधित कुछ अहम चुनौतियां हमारे सामने हैं, जिनमें किसानों की आमदनी बढ़ाना सबसे प्रमुख है. कृषि आय बढ़ने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बड़ा आधार मिलेगा तथा राष्ट्रीय विकास की गति भी बढ़ेगी. जलवायु परिवर्तन से पैदा हो रहीं समस्याएं, जैसे बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, तापमान में वृद्धि आदि, खेती के सामने नयी मुश्किलें लेकर आयी हैं. पानी, मिट्टी और उपज का संरक्षण भी आवश्यक है. इन परेशानियों के हल के लिए खेती में विविधता लाना, पानी और रसायनों की खपत कम करने के लिए उन्नत बीज इस्तेमाल करना, तकनीक का उपयोग बढ़ाना, नयी फसलों को अपनाना आदि जैसे उपाय आवश्यक होते जा रहे हैं. सरकार की सात नयी योजनाओं के केंद्र में इन उपायों को बढ़ावा देने तथा किसानों को उन्हें अपनाने के लिए प्रेरित करने का उद्देश्य है.

अक्टूबर से ओपेक+ उत्पादन बढ़ने की उम्मीदों के चलते कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई

नई दिल्ली। एजेंसी

अक्टूबर से शुरू होने वाले ओपेक उत्पादन में वृद्धि की उम्मीदों और चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में सुस्त मांग को लेकर चिंताओं के कारण कच्चे तेल की कीमतें - 4.87% गिरकर 5,919 पर आ गईं। ओपेक अक्टूबर में तेल उत्पादन में 180,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) की वृद्धि करने के लिए तैयार है, जो 2.2 मिलियन बीपीडी की अपनी हालिया आपूर्ति कटौती को समाप्त करने की योजना का हिस्सा है। इसके बावजूद, 2025 के अंत तक अन्य कटौती जारी रहने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, जबकि लीबिया का निर्यात रुका हुआ है, अरब की खाड़ी तेल कंपनी ने घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए 120,000 बीपीडी तक का उत्पादन फिर से शुरू कर दिया है, जिससे अपेक्षित आपूर्ति वृद्धि में और योगदान मिला है। अमेरिका में, जून में तेल की खपत 2020 में COVID-19 महामारी के बाद से नहीं देखे गए स्तरों तक गिर गई, जो कमजोर मांग का संकेत है। ऊर्जा सूचना प्रशासन ने 23 अगस्त, 2024 को समाप्त सप्ताह के लिए कच्चे तेल के भंडार में 0.846 मिलियन बैरल की मामूली कमी की सूचना दी, जो अपेक्षित 3 मिलियन बैरल की कमी से कम थी।

कुशिंग, ओक्लाहोमा डिलीवरी हब के स्टॉक में भी 560,000 बैरल की पिछली गिरावट के बाद 668,000 बैरल की गिरावट आई। इस बीच, गैसोलीन के भंडार में 2.203 मिलियन बैरल की महत्वपूर्ण कमी देखी गई, जो उम्मीदों से अधिक है, जबकि आसुत ईंधन के भंडार में अप्रत्याशित रूप से 0.275 मिलियन बैरल की वृद्धि हुई, जबकि गिरावट के पूर्वानुमान के विपरीत । तकनीकी रूप से, कच्चे तेल का बाजार नए सिरे से बिकवाली के दबाव में है, जिसमें ओपन इंटरेस्ट में 133.47% की पर्याप्त वृद्धि हुई है, जो 22,422 अनुबंधों पर आ गई है। कीमतें वर्तमान में 5,805 पर समर्थित हैं, यदि यह स्तर टूट जाता है तो 5,691 का संभावित परीक्षण हो सकता है। ऊपर की ओर, प्रतिरोध 6,141 पर होने की उम्मीद है, और इस स्तर से ऊपर जाने पर कीमतें 6,363 तक पहुंच सकती हैं। व्यापारी उभरते आपूर्ति-मांग गतिशीलता और आगामी ओपेक ₹ निर्णयों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। आपको अपने अगले ट्रेड में कौन सा स्टॉक खरीदना चाहिए? एआई कंप्यूटिंग शक्तियां शेयर बाजार को बदल रही हैं। Investing.com के ProPicks हमारे उन्नत एआई द्वारा चुने गए 6 विजेता स्टॉक पोर्टफोलियो हैं। अकेले 2024 में, इंडेक्स्मे के एआई ने 2 स्टॉक की पहचान की जो 150% से अधिक बढ़े, 4 अतिरिक्त स्टॉक जिन्होंने 30% से अधिक की छलांग लगाई, और 3 और स्टॉक जो 25% से अधिक चढ़े। सबसे आगे कौन सा शेयर चढ़ेगा?

जीएसटी भरने वालों के लिए अच्छी खबर

1 अक्टूबर से इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ आसानी से ले पाएंगे

नई दिल्ली। एजेंसी

जीएसटी नेटवर्क ने माल एवं सेवा कर (उएऊ) भुगतानकर्ताओं को जारी किए गए परामर्श में कहा कि करदाताओं को पोर्टल के माध्यम से अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ बिलों में सुधार/ संशोधनों के कुशल प्रबंधन के लिए आईएमएस नाम की नई संचार सुविधा शुरू की जा रही है। देश में करोड़ों जीएसटी भरने वाले कारोबारियों के लिए अच्छी खबर है। 1 अक्टूबर से इनपुट टैक्स क्रेडिट की गणना और लेना आसान हो जाएगा। दरअसल, जीएसटी नेटवर्क एक अक्टूबर से बिल प्रबंधन प्रणाली (आईएमएस) की शुरुआत करेगा। इसकी मदद से करदाता सही इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ

उठाने के लिए आपूर्तिकर्ताओं की तरफ से जारी रिकॉर्ड/ बिलों का मिलान कर पाएंगे। जीएसटी नेटवर्क ने माल एवं सेवा कर (उएऊ) भुगतानकर्ताओं को जारी किए गए परामर्श में कहा कि करदाताओं को पोर्टल के माध्यम से अपने आपूर्तिकर्ताओं के साथ बिलों में सुधार/ संशोधनों के कुशल प्रबंधन के लिए आईएमएस नाम की नई संचार सुविधा शुरू की जा रही है।

जीएसटी नेटवर्क का होता है इस्तेमाल

जीएसटी रिटर्न दाखिल करने और टैक्स देनदारियों के भुगतान मंच के तौर पर जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) का इस्तेमाल किया जाता है। जीएसटीएन ने कहा, "आईएमएस सुविधा से करदाताओं को सही आईटीसी का लाभ उठाने के लिए अपने आपूर्तिकर्ताओं द्वारा जारी किए गए रिकॉर्ड/ बिल का मिलान करने में भी सुविधा होगी।" आईएमएस करदाताओं को चालान को स्वीकार या अस्वीकार करने या इसे प्रणाली में लंबित रखने की अनुमति देगा, जिसका लाभ बाद में उठाया जा सकता है।

1 अक्टूबर से जीएसटी पोर्टल पर मिलेगी यह सुविधा

यह सुविधा करदाताओं को एक अक्टूबर से जीएसटी पोर्टल पर उपलब्ध होगी। परामर्श फर्म मूर सिंघी के कार्यकारी निदेशक रजत मोहन ने कहा कि सभी चालान पर की गई सभी कार्रवाइयों का विस्तृत रिकॉर्ड रखने से आईएमएस जीएसटी ऑडिट के लिहाज से एक मजबूत आधार तैयार करता है। यह सुविधा कर अधिकारियों को आईटीसी दावों के प्रबंधन में प्राप्तकर्ता की उचित सावधानी का स्पष्ट सबूत देती है।

EPFO के लाखों पेंशनर्स को होगी आसानी, अगले साल 1 जनवरी से शुरू हो रही है यह सुविधा

नई दिल्ली। एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन या ईपीएफओ की कर्मचारी पेंशन योजना (EPS)1995 पेंशनर्स को बड़ी सहूलियत मिलने वाली है। दरअसल, सरकार ने इनके लिए सेंट्रलाइज्ड पेंशन पेमेंट सिस्टम CPPS को मंजूरी दे दी है। इसका फायदा यह मिलेगा कि पेंशनर्स इस के जरिए देश में किसी बैंक और किसी भी ब्रांच से अपनी पेंशन ले सकेंगे।

कब से शुरू होगी सुविधा

केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने बताया कि 1 जनवरी 2025 से यह सुविधा शुरू हो जाएगी। इससे 78 लाख से अधिक EPS पेंशनधारकों को सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि CPPS राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीकृत प्रणाली की स्थापना करेगा, जिससे पेंशन का वितरण भारत के किसी भी बैंक और किसी भी शाखा के माध्यम से किया जा सकेगा।

मील का पत्थर

मंडाविया ने बताया, 'CPPS की मंजूरी ईपीएफओ के आधुनिकीकरण में मील का पत्थर है। यह पेंशनभोगियों को देश में कहीं भी किसी भी बैंक और किसी भी शाखा से अपनी पेंशन प्राप्त करने की सुविधा देगा। हम EPFO को अधिक सक्षम और जिम्मेदार संगठन बनाना चाहते हैं और यह कदम इसी दिशा में उठाया गया है।' मंडाविया ने बताया कि यह सुविधा EPFO की IT आधुनिकीकरण परियोजना CITES 2.01 के तहत 1 जनवरी 2025 से लॉन्च की जाएगी। अगले चरण में CPPS से एक आधार बेस्ड पेमेंट सिस्टम ABPS की ओर कदम बढ़ाए जाएंगे।

पेंशनभोगी कहीं भी जाएं नहीं होगी दिक्कत

1 जनवरी 2025 से यह सुविधा शुरू हो जाएगी। इससे 78 लाख से अधिक EPS पेंशनधारकों को सहूलियत होगी। एइइए के जरिए पेंशन पूरे भारत में बिना किसी पेंशन पेमेंट ऑर्डर के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरण के बिना वितरित की जाएगी, भले ही पेंशनभोगी एक स्थान से दूसरे स्थान पर चले जाएं या अपना बैंक या शाखा बदलें। यह उन पेंशनभोगियों के लिए एक बड़ी राहत होगी जो रिटायरमेंट के बाद अपने गृह नगर चले जाते हैं।

अभी क्या है व्यवस्था

इस समय जो व्यवस्था है, उसमें हर जोनल/क्षेत्रीय कार्यालय के पास केवल 3-4 बैंकों के साथ अलग-अलग समझौते होते हैं। एइइए के तहत पेंशनभोगियों को पेंशन शुरू होने के समय किसी भी सत्यापन के लिए शाखा में जाने की आवश्यकता नहीं होगी और पेंशन तुरंत क्रेडिट कर दी जाएगी। मतलब कि एइइए मौजूदा पेंशन वितरण प्रणाली से एक महत्वपूर्ण बदलाव है।

कोयले का उत्पादन 384 मिलियन टन तक पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी

कोयले के उत्पादन में कोयला मंत्रालय ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है. अप्रैल से अगस्त 2024 की अवधि के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का उत्पादन बढ़कर 290.39 मिलियन टन हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 281.46 मीट्रिक टन की तुलना में 3.17 प्रतिशत अधिक है। कोयला मंत्रालय ने सभी तरह के कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में अगस्त 2024 तक 384.08 मिलियन टन तक पहुंच गया है। वहीं वित्त वर्ष 2023-24 में इसी अवधि के दौरान यह 360.71 मिलियन टन था. पिछले वित्त वर्ष और इस वित्त वर्ष की तुलना करें, तो यह वृद्धि 6.48 प्रतिशत है. अप्रैल से अगस्त 2024 की अवधि के दौरान

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) का उत्पादन बढ़कर 290.39 मिलियन टन हो गया, जो पिछली वर्ष की इसी अवधि के दौरान 281.46 मीट्रिक टन की तुलना में 3.17 प्रतिशत अधिक है. कैप्टिव और अन्य कंपनियों से भी कोयले के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो अप्रैल से अगस्त 2024 तक 68.99 मिलियन टन तक पहुंच गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में 52.84 मिलियन टन की तुलना में 30.56 प्रतिशत की एक अच्छी खासी वृद्धि है।

कोयला भेजने में भी उल्लेखनीय वृद्धि

इस बीच, अगस्त 2024 तक संचयी कोयला भेजने में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है. अगस्त 2024 तक संचयी कोयला भेजने में वित्त वर्ष 2024-25 में 412.07 मिलियन टन (अनंतिम) था, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में इसी अवधि के दौरान 391.93 मिलियन टन था. इसमें 5.14 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गयी है। कोल इंडिया लिमिटेड ने अप्रैल से अगस्त 2024 तक 309.98 मिलियन टन कोयला भेजा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान भेजे गए 305.37 मिलियन टन की तुलना में 1.51 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसके अलावा, कैप्टिव और अन्य कंपनियों ने 76.95 मिलियन टन का उल्लेखनीय कोयला प्रेषण दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के दौरान भेजे गए 58.53 मिलियन टन की तुलना में 31.48 प्रतिशत की बहुत अच्छी वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि कोयला क्षेत्र की बेहतर रसद क्षमताओं और कोयले की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को उजागर करती है।

AIR INDIA ने चेक-इन बैग से जुड़ी ये खास सुविधा शुरू की, पैसेंजर्स के लिए बहुत आसान होगा ये जानना

नई दिल्ली। एजेंसी

यह नई सुविधा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर आधारित कंप्यूटर विज़न तकनीक से संचालित है। यह यात्रा से जुड़ी सूचना वास्तविक समय पर मुहैया कराता है। हाल के दिनों में यात्रियों के सामान से संबंधित शिकायतों का एयर इंडिया ने खूब सामना किया है। टाटा समूह की ओनरशिप वाली एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया के पैसेंजर्स के लिए गुड न्यूज है। एयर इंडिया के पैसेंजर्स अब अपने सामान पर लगे टैग को स्कैन करके अपने चेक-इन बैग का पता लगा सकते हैं। एयरलाइन ने इसके लिए अपने मोबाइल ऐप में यह एआई-आधारित सुविधा पेश की है। भाषा की खबर के मुताबिक, एयर इंडिया ने अपने ऐप में एईवाईई विजन फीचर पेश किया है, जो यात्रा से जुड़ी सूचना वास्तविक समय पर मुहैया कराता है। हाल के दिनों में यात्रियों के सामान से संबंधित शिकायतों का एयर इंडिया ने खूब सामना किया है।

एआई विजन फीचर में क्या हैं सुविधाएं

खबर के मुताबिक, एयर इंडिया ने कहा कि एईवाईई विजन पैसेंजर्स को अपने टिकट, बोर्डिंग पास या बैगेज टैग पर एक कोड स्कैन कर फ्लाइट डिटेल, बोर्डिंग पास, बैगेज की स्थिति और भोजन विकल्पों तक पहुंचने की परमिशन देता है। यह नई सुविधा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) पर आधारित कंप्यूटर विज़न तकनीक से संचालित है। इससे यात्रियों को पता चल सकता है कि उनका सामान कब लोड, अनलोड और बैगेज क्लेम पर पिक-अप के लिए तैयार है।

दिल्ली-विशाखापत्तनम फ्लाइट में बम की झूठी खबर

नई दिल्ली से विशाखापत्तनम जा रहे एयर इंडिया के एक विमान में मंगलवार देर रात बम होने की खबर मिली, लेकिन विशाखापत्तनम में उतरने के बाद गहन जांच की गई तो खबर झूठी साबित हुई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विशाखापत्तनम एयरपोर्ट के निदेशक एस राजा रेड्डी ने कहा कि दिल्ली पुलिस को फोन कर किसी ने विमान में बम होने की जानकारी दी। इसके मद्देनजर पुलिस ने विमानन कंपनी और विशाखापत्तनम हवाई अड्डे को सतर्क कर दिया। रेड्डी ने बताया कि विमान सुरक्षित उतरा और विमान की गहन जांच करने पर पता चला कि बम की खबर अफवाह थी। विशाखापत्तनम जाने वाले विमान में 107 यात्री सवार थे।

विस्तारा का एयर इंडिया में विलय

नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद विस्तारा के विमानों और चालक दल को एयर इंडिया में शामिल करने की तारीख 12 नवंबर तय की गई है। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच संयुक्त उद्यम विस्तारा का एयर इंडिया में विलय हो रहा है। विलय के बाद सिंगापुर एयरलाइंस की इस एयरलाइन की टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

Sensex 700 अंक तक गिरने के बाद संभला, जानिए इस गिरावट के 4 सबसे बड़े कारण

मुंबई। एजेंसी

स्टॉक मार्केट्स में 4 सितंबर को बड़ी गिरावट आई थी लेकिन बाद में बाजार संभल गया। सबसे ज्यादा गिरावट निफ्टी आईटी इंडेक्स में देखने को मिली। इंफोसिस, टीसीएस और विप्रो जैसी दिग्गज आईटी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से निफ्टी आईटी इंडेक्स 1.7 फीसदी तक लुढ़क गया। इंडियन मार्केट में गिरावट की बड़ी वजह 3 सितंबर को अमेरिकी मार्केट में आई गिरावट को माना जा रहा है। हालांकि, एक्सपर्ट्स का यह भी कहना है कि लगातार 13 दिन से इंडियन मार्केट्स चढ़ रहा था। ऐसे में मुनाफावसूली की उम्मीद पहले से की जा रही थी। अमेरिका मार्केट से मिले संकेतों ने इंडियन मार्केट को गिरने का कारण दे दिया।

कारोबार की कमजोर शुरुआत इंडियन मार्केट में कारोबार की शुरुआत सुबह में कमजोर रही। मार्केट खुलने के कुछ ही देर बाद बिकवाली के दबाव में आ गया। एक समय एहीं करीब 722 अंक गिरकर 81,833 के लेवल पर आ गया था। न्फ्टिी 50 में भी बड़ी गिरावट देखने को मिली। यह करीब 200 अंक लुढ़कर 25,083 पर आ गया था। हालांकि, दोपहर तक मार्केट काफी हद तक संभलने में कामयाब रहा। कारोबार के अंत में संसेक्स 202 अंक गिरकर 82,352.64 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 81 अंकों की गिरावट के साथ 25,198.70 पर बंद होने में कामयाब रहा।

अमेरिकी स्टॉक मार्केट में 3 सितंबर को अगस्त की शुरुआत

के बाद एक दिन की सबसे बड़ी गिरावट आई। इसकी वजह अमेरिकी इकोनॉमी के मंदी में जाने की आशंका है। इकोनॉमी से जुड़े आंकड़े इसके संकेत दे रहे हैं। इंस्टीट्यूट फॉर सप्लाई मैनेजमेंट (घएश) ने मैन्युफैक्चरिंग इएप का डेटा पेश किया है। इसके मुताबिक, अगस्त में यह 47.2 फीसदी पर रहा। हालांकि, जुलाई के मुकाबले इसमें थोड़ी वृद्धि हुई है लेकिन यह मार्केट की उम्मीद के मुकाबले कम है। मार्केट को मैन्युफैक्चरिंग पीएम आई 47.9 फीसदी रहने की उम्मीद थी। शेयर बाजार में इन 4 कारणों से आई गिरावट अमेरिकी मार्केट में 3 सितंबर की गिरावट का असर) दिग्गज आईटी शेयरों में गिरावट की वजह सबसे ज्यादा गिरावट आईटी कंपनियों के शेयरों में देखने को मिली। इसकी वजह यह है कि इंडियन आईटी कंपनियों के रेवेन्यू में अमेरिका की बड़ी हिस्सेदारी है। अगर अमेरिकी इकोनॉमी मंदी में जाती है या आगे संकट गहराता है तो इसका सीधा असर इंडियन आईटी कंपनियों के रेवेन्यू पर पड़ेगा। इकोनॉमी के मंदी में जाने पर कंपनियां आईटी पर खर्च घटा देती हैं। इससे आईटी कंपनियों को नए आर्डर मिलने की रफ्तार घट जाती है। लगातार चढ़नो के बाद मुनाफावसूली का दबाव एक्सपर्ट्स का कहना है कि 4 सितंबर को आई गिरावट की वजह मुनाफावसूली है। दरअसल, इंडियन मार्केट इससे पहले लगातार 13 दिनों से चढ़ रहा था। सेंसेक्स और निफ्टी ने लगातार चढ़ने का रिकॉर्ड बनाया था। इससे छोटे-बड़े शेयरों की कीमतें काफी चढ़ गई थी। लगातार इतने सत्रों के मार्केट के चढ़ने के बाद बाजार में मुनाफावसूली आम बात है। इससे पहले भी मार्केट के लगातार चढ़ने के बाद बड़ी गिरावट देखने को मिली है। छोटे-बड़े शेयरों की ज्यादा वैल्यूएशन इंडियन मार्केट में पिछले काफी समय से शेयरों की वैल्यूएशन को लेकर चिंता जताई जा रही है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि लगातार तेजी की वजह से छोटे-बड़े शेयरों की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। इसके मुताबिक कंपनियों की अर्निंग्स नहीं बढ़ी है। उधर, कंपनियों के फंडामेंटल्स में भी ज्यादा बदलाव नहीं आया है। इसलिए मौजूदा लेवल पर शेयरों का बना रहना मुश्किल है। लिक्विडिटी की वजह से शेयरों की कीमतें पिछले कुछ समय से लगातार चढ़ी हैं। लेकिन, सिर्फ लिक्विडिटी की बदौलत वैल्यूएशन लंबे समय तक हाई नहीं बनी रह सकती।

इंश्योरेंस खरीदना होगा सस्ता!

9 सितंबर को जीएसटी की होगी बैठक, हो सकता है ये बड़ा फैसला?

नई दिल्ली। एजेंसी

हाल ही में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने इंश्योरेंस पॉलिसी के प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी को खत्म करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा था।

वस्तु एवं सेवा कर (GST) काउंसिल की बैठक 9 सितंबर, 2024 को होने जा रही है। इसमें इंश्योरेंस प्रॉलिसी के लिए भुगतान किए जाने वाले प्रीमियम पर जीएसटी हटाने पर चर्चा होने की संभावना है। बीमा प्रीमियम पर 18इ जीएसटी हटाना बीमा उद्योग की लंबे समय से मांग है। बीमा खरीदने वाले ग्राहक भी चाहते हैं कि सरकार जीएसटी हटा दे क्योंकि अतिरिक्त कर से उनका वित्तीय बोझ बढ़ता है। जीवन और स्वास्थ्य बीमा के प्रीमियम भुगतान पर अभी 18% की दर से जीएसटी वसूला जा सकता है। आइए जानते हैं कि जीएसटी काउंसिल की बैठक में क्या हो सकता है फैसला?

टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी पर मिल सकती है राहत

बीमा विशेषज्ञों का कहना है कि जीएसटी की परिषद में टर्म इंश्योरेंस प्रॉलिसी के प्रीमियम पर जीएसटी चुकाने से राहत मिल सकती है। ऐसा इसलिए कि टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी जीवन बीमा का सबसे लोकप्रिय प्रोडक्ट है, जो बिना किसी परिपक्वता लाभ के केवल मृत्यु लाभ प्रदान करता है। ये शुद्ध-जोखिम वाले उत्पाद हैं जो अपेक्षाकृत कम लागत पर बड़ा कवरेज प्रदान करते हैं। टर्म इंश्योरेंस प्रीमियम में जीएसटी जोड़ने से प्रीमियम बढ़ जाता है। इसके अलावा, बीमा पॉलिसी धारकों को केवल अप्रत्याशित घटनाओं में लाभ या उनका पैसा वापस मिलता है। इसलिए सरकार इस पर जीएसटी हटाने का फैसला ले सकती है।

वहीं, यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान (यूएलआईपी) या निवेश से जुड़े पॉलिसी जैसी अन्य जीवन बीमा पॉलिसियों के प्रीमियम पर जीएसटी हटने की संभावना कम है क्योंकि इन योजनाओं में जीवन सुरक्षा कवर के साथ-साथ निवेश पर रिटर्न भी मिलता है। इसलिए इसकी कम संभावना है कि जीएसटी परिषद निवेश से जुड़े उत्पादों पर जीएसटी हटाने पर विचार करेगी।

नितिन गडकरी ने GST हटाने की मांग की थी

हाल ही में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने इंश्योरेंस पॉलिसी के प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी को खत्म करने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा था। उन्होंने मांग की थी कि बीमा प्रीमियम पर से जीएसटी खत्म करने से लाखों लोगों को राहत मिलेगी क्योंकि प्रीमियम कम हो जाएगी। पत्र में लिखा गया था कि जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाना जीवन की अनिश्चितताओं पर कर लगाने के समान है। इसलिए, उन्होंने बीमा प्रीमियम पर लगने वाले जीएसटी को वापस लेने का आग्रह किया था।

वर्ल्ड बैंक ने दी गुड न्यूज

बढ़ा दिया भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान

नई दिल्ली। एजेंसी

इकॉनमी के मोर्चे पर अच्छी खबर है। विश्व बैंक ने कृषि क्षेत्र और ग्रामीण मांग में सुधार के दम पर चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। विश्व बैंक ने इससे पहले जून में अनुमान लगाया था कि भारत की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी। विश्व बैंक की मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारत की वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है। विश्व बैंक के वरिष्ठ अर्थशास्त्री रैन ली ने कहा कि मॉनसून तथा निजी खपत में सुधार के दम पर भारत के जीडीपी के पूर्वानुमान को संशोधित किया गया है। विश्व बैंक ने 'इंडिया डेवलपमेंट अपडेट' रिपोर्ट में कहा कि दक्षिण एशिया के सबसे बड़े देश भारत की वृद्धि दर 2024-25 में सात प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इसमें कहा गया कि कृषि क्षेत्र में सुधार से उद्योग में आई मामूली गिरावट की आंशिक भरपाई हो जाएगी और सेवाएं मजबूत बनी रहेंगी। कृषि में अपेक्षित सुधार से ग्रामीण मांग भी बेहतर होगी। वर्ल्ड बैंक ने साथ ही कहा कि मध्यम अवधि में अर्थव्यवस्था की वृद्धि मजबूत बनी रहेगी। 30 अगस्त को सरकारी आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जून तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर घटकर 6.7 प्रतिशत रह गई क्योंकि आम चुनावों के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण सरकारी खर्च में गिरावट आई थी।

आरबीआई का अनुमान

अगस्त में पिछली मौद्रिक नीति समिति की बैठक के दौरान आरबीआई ने अनुमान लगाया था कि वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में देश की जीडीपी 7.1 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी। पहली तिमाही में जीडीपी में गिरावट के बाद नोमुरा ने भारत के लिए अपने पूर्वानुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया। इस बीच, गोल्डमैन सेश और जेपी मॉर्गन ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत के जीडीपी ग्रोथ रेट को 6.5% पर बनाए रखा है। भारत अभी दुनिया की पांचवीं बड़ी इकॉनमी है।

गणेशोत्सव में वैध कनेक्शन से ही बिजली उपयोग हो...

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 7 सितंबर से प्रारंभ हो रहे गणेशोत्सव के आयोजकों से उत्सव में वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली उपयोग की अपील की है। बिजली कंपनी ने कहा कि कनेक्शन वैध लिया जाए। तार पर हुकिंग कर सीधे बिजली उपयोग में नहीं ले, यह बहुत ही खतरनाक होता है। साथ ही उत्सव, बारिश के दौरान अतिरिक्त सतर्कता भी बरती जाएं। जमीन पर कोई खुला तार न रखा जाए। उत्सव आयोजक कटे, टूटे तारों के पांडाल व कार्यक्रम स्थल पर उपयोग से बचे। सुरक्षा और सावधानियों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री अमित तोमर ने कहा कि उत्सव खुशी, उमंग के निमित्त होते है, उत्सवों पर आयोजक बिजली के वैध कनेक्शन लेकर कार्य करे एवं सावधानियों, सुरक्षा मापदंडों का पालन करे, ताकि उत्सव में विपरीत स्थिति निर्मित नहीं हो। बिजली संबंधी किसी भी मदद या कोई सूचना के लिए केंद्रीयकृत कॉल सेंटर 1912 या बिजली वितरण जोन, वितरण केंद्र प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

ई-कॉमर्स कंपनियों के छक्के छुड़ा रहा ONDC, 6 लाख सेलर जुड़े, मिले इतने करोड़ के ऑर्डर

नई दिल्ली। एजेंसी

ओएनडीसी को ई-गवर्नेंस के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार एनएईजी में 'नागरिक-केंद्रित सेवाएं प्रदान करने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग' श्रेणी के अंतर्गत प्रतिष्ठित गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। सरकार द्वारा संचालित ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ONDC) प्राइवेट ई-कॉमर्स कंपनियों के छक्के छुड़ा रहा है। ओएनडीसी को अब प्रति माह 1.2 करोड़ से अधिक ऑर्डर हासिल कर रहा है। इसमें 6 लाख से अधिक विक्रेता जुड़ गए हैं। यह जानकारी मंगलवार को दी गई। यह नेटवर्क लाखों छोटे व्यवसायों, कारीगरों, महिला उद्यमियों, किसानों और स्ट्रीट वेंडरों सहित विविध प्रकार के विक्रेताओं को सशक्त बना रहा है, ताकि वे प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा कर सकें और लोगों तक पहुंच सकें। नेटवर्क 609 से अधिक शहरों में संचालित होता है और देशभर के 1,200 शहरों में डिलीवरी करता है। जुलाई में, ओएनडीसी ने नेटवर्क पर ऑटो कंपोनेंट और एक्सेसरीज श्रेणी भी लॉन्च की।

लाखों लोगों को रोजगार मुहैया करा रहा

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, 'ओएनडीसी एक स्टार्टअप मानसिकता और सरकारी स्तर के दृष्टिकोण के साथ कार्य करता है। इसमें यह तेजी से विकसित हो रहे बाजार की गतिशीलता के अनुकूल ढल रहा है। इसका नेतृत्व टेक्नोक्रेट की एक टीम और अनुभवी ओएनडीसी सलाहकार परिषद द्वारा किया जा रहा है।' इंटरऑपरेबल, अनबंडल्ड और विकेंद्रीकृत होने के आधार पर, ओएनडीसी एक जटिल प्रणाली को अलग-अलग माइक्रोसर्विसेज में विभाजित करता है। इसे अलग-अलग लोग अलग-अलग पेश कर सकते हैं। सभी के लिए इसके सकारात्मक परिणाम होंगे। ओएनडीसी आर्किटेक्चर ई-कॉमर्स प्रणाली में विश्वास को बढ़ावा देता है।

ONDC
Open Network for Digital Commerce

जुलाई में रोजाना 430,000 ऑर्डर मिले

ओएनडीसी सरकार के प्रमुख प्लेटफार्मों के साथ गहन और बेहतर एकीकरण के लिए अपनी क्षमताओं का और विस्तार कर रहा है। मंत्रालय ने कहा, 'ओएनडीसी एकीकृत उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए लाभार्थियों के सामान्य समूह की सेवा करने के लिए सरकारी प्लेटफार्मों में इंटर-लॉक और लिंकेज को संभव बनाएगा।' जुलाई में ओएनडीसी ने 430,000 दैनिक ऑर्डर हासिल किए। ओएनडीसी ने जुलाई में महीने-दर-महीने 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो जून में 10 मिलियन की तुलना में 12 मिलियन हो गया। नेटवर्क ने हाल ही में संपन्न टी20 विश्व कप फाइनल के दौरान 30 जून को एक ही दिन में 374,000 ऑर्डर के लेन-देन देखे हैं।

Credit Card रखने वालों के लिए आई बड़ी खबर

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में क्रेडिट कार्ड्स (Credit Card) की संख्या 2028-29 तक 20 करोड़ तक पहुंच सकती है। क्रेडिट कार्ड की संख्या में बढ़ोतरी सालाना 15 फीसदी की दर से हो रही है। यह रिपोर्ट इ्रैण ने जारी की है, जिसके अनुसार क्रेडिट कार्ड इंडस्ट्री में तगड़ी बढ़ोतरी देखने को मिली है। अगर सिर्फ पिछले 5 सालों की बात करें तो क्रेडिट कार्ड की संख्या दोगुनी हो चुकी है. रिपोर्ट के अनुसार आने वाले दिनों में भी यह ट्रेंड जारी रहने की उम्मीद है।

क्रेडिट कार्ड जारी होने की संख्या में तो बढ़ोतरी देखने को मिल ही रही है, साथ ही क्रेडिट कार्ड इंडस्ट्री में ट्रांजेक्शन भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ट्रांजेक्शन वॉल्यूम में करीब 22 फीसदी की बढ़ोतरी की तेजी देखने को मिली है. वहीं अगर ट्रांजेक्शन वैल्यू के हिसाब से देखा जाए तो यह बढ़ोतरी 28 फीसदी हो चुकी है।

रिपोर्ट में एक बड़ी बात ये भी कही गई है कि डेबिट कार्ड के इस्तेमाल में गिरावट देखी गई है। डेबिट कार्ड ट्रांजेक्शन वॉल्यूम और वैल्यू दोनों ही तरीकों से गिरे हैं, जो ग्राहकों की प्राथमिकताओं को दिखा रहा है. वित्त वर्ष 2023-24 में डेबिट कार्ड के ट्रांजेक्शन का वॉल्यूम 33 फीसदी तक गिर गया। वहीं साल दर साल के आधार पर डेबिट कार्ड से होने वाले खर्चे करीब 18 फीसदी घट गए हैं।

डेबिट कार्ड के ट्रांजेक्शन में गिरावट की एक बड़ी वजह यूपीआई का पॉपुलर होना भी है। इसे इस्तेमाल करना लोगो के लिए बहुत आसान है और अब छोटी से लेकर बड़ी दुकानों पर तक यूपीआई काफी लोकप्रिय हो चुका है। इसके लोकप्रिय होने की एक बड़ी वजह ये भी है कि इस पर जीरो मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर लगता है। यानी वेंडर को कोई पैसा नहीं चुकाना होता है।

एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने अपनी 1000वीं शाखा की शुरुआत की

विशेष कवर और माई स्टैम्प जारी करके उपलब्धि का जश्न मनाया

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

SMFG India Credit
Pragati Ki Nayi Pehchaan

भारत के गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) क्षेत्र की एक प्रमुख कंपनी एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कं. लि. ने वाशी, नवी मुंबई में अपनी 1000वीं शाखा खोलने की घोषणा की है। यह ऐतिहासिक घटना देश भर में अपने पदचिन्?हों का विस्तार करने और कम पहुंच वाले बाजारों में वित्तीय सेवाएं लाने के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को चिन्हित करने के लिए, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट ने इंडिया पोस्ट के साथ मिलकर एक विशेष कवर और माई स्टैम्प जारी किया है। आधिकारिक अनावरण के अवसर पर मुंबई में जापान के महावाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत श्री यागी कोजी, महाराष्ट्र सर्किल में डाक सेवाओं (मुख्यालय) के निदेशक श्री अभिजीत बंसोडे और एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के सीईओ और एमडी श्री शांतनु मित्रा उपस्थित थे। इस महत्वपूर्ण अवसर पर विचार करते हुए, एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट के सीईओ और एमडी श्री शांतनु मित्रा ने कहा, 'हमारी 1000वीं शाखा का उद्घाटन एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो पूरे भारत में लोगों को औपचारिक ऋण पहुंच प्रदान करने और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में उनकी मदद करने के लिए हमारी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस उपलब्धि का उत्सव मनाते हुए, हमें डाक विभाग के सहयोग से माई स्टैंम्प के साथ एक विशेष कवर जारी करने पर गर्व है, जो कंपनी द्वारा अब तक हासिल की गई वृद्धि और भारत के वित्तीय सेवा क्षेत्र में योगदान के महत्व का प्रतीक है। हमारी यात्रा निरंतर विकास की रही है, हम अपने ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुकूल होने के साथ ही सभी को वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराने और पूर्ण विकास हासिल करने के हमारे मिशन के प्रति निष्ठावान रहे हैं'

सालाना दो या ज्यादा बार विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों की तादाद में भारी उछाल, डेस्टिनेशन सर्च में ये हैं आगे

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीयों में विदेश की सैर करने का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। यात्रा बुकिंग प्लेटफॉर्म मेक माई ट्रिप की- हाउ इंडिया ट्रैवल्स अब्रॉड, रिपोर्ट में कहा गया है कि सालाना दो या अधिक बार विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों की संख्या में 32 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को जारी इस रिपोर्ट में यह बात कही गई। इस रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली में लोगों ने अंतरराष्ट्रीय यात्रा के बारे में सबसे अधिक जानकारी खोजी। रिपोर्ट जून 2023 से मई 2024 के बीच की अवधि पर आधारित है।

ये डेस्टिनेशंस हैं अहम

संयुक्त अरब अमीरात, थाईलैंड और अमेरिका जैसे लोकप्रिय गंतव्य उन स्थलों की सूची में शीर्ष पर हैं, जहां भारतीय यात्रा करना पसंद करते हैं। वहीं कजाकिस्तान, अजरबैजान और भूटान उभरते हुए स्थलों की सूची में आगे हैं। मेक माई ट्रिप के सह-संस्थापक और समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजेश मागो ने कहा कि खर्च करने के लिए पर्याप्त आय होना, वैश्विक संस्कृतियों की अधिक जानकारी और यात्रा करना सुगम होने से अधिक से अधिक भारतीय अवकाश के साथ-साथ कामकाज के लिए घरेलू और अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों की खोज कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, टॉप-10 उभरते गंतव्यों के लिए संयुक्त खोज में 70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। साथ ही भारतीयों में लग्जरी यात्रा के प्रति रुचि बढ़ रही है और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में बिजनेस क्लास उड़ानों के लिए खोज में 10 प्रतिशत की बट हुई है।

कोटक ने खासतौर से यूएई जाने वाले यात्रियों के लिए फाल्कन फॉरेक्स कार्ड पेश किया

मुंबई। एजेंसी

कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ('केएमबीएल/कोटक') ने कोटक फाल्कन कार्ड लॉन्च किया। यह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा करने वाले भारतीयों के लिए एक सिंगल करेंसी प्रीपेड फॉरेक्स कार्ड है। कोटक फाल्कन कार्ड की खासियत इसकी सुरक्षा और सुविधा तथा 20,000 रुपये तक की बुल्ल बचत है, जो इसे महत्वाकांक्षी भारतीयों के लिए आकर्षक बनाती है।

यूएई में भुगतान के लिए कोटक फाल्कन कार्ड का उपयोग करने वाले यात्रियों को 100 से अधिक पर्यटक स्थलों, एडवेंचर स्पोर्ट्स, खरीदारी, भोजन और अनूठे अनुभवों पर तत्काल छूट मिलेगी। अतिरिक्त लाभों में कॉम्प्लीमेंटरी बीमा कवर, 24*7 रीलोड सेवा, तत्काल रिफ़ंड और परेशानी मुक्त कार्ड रिप्लेसमेंट शामिल हैं।

कोटक फाल्कन कार्ड का अनावरण मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में कोटक महिंद्रा बैंक के प्रेसिडेंट- हेड अफ्लुएंट, एनआरआई, बिजनेस बैंकिंग और चीफ मार्केटिंग ऑफिसर रोहित भसीन, मर्करी पेमेंट्स सर्विसेज के सीईओ मुजफ्फर हामिद और एनपीसीआई के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया।

यूएई आधुनिकता और विलासिता का एक अनूठा मिश्रण है। यह एकीकृत वित्तीय और डिजिटल भुगतान प्रणाली के साथ भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार भी है। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि 2023 में 2.46 मिलियन पर्यटक दुबई आए। न्यूज रिपोर्टों के अनुसार यह किसी भी देश से आने वाली सबसे बड़ी संख्या है। बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी, देश भर के कई शहरों से सीधी उड़ानें और विदेश में पहली यात्रा सहित अंतर्राष्ट्रीय यात्रा की बढ़ती आकांक्षा हर साल अधिक से अधिक भारतीयों को यूएई की ओर आकर्षित करती है।

भारत-रूस का कारोबार 2023 में लगभग हो गया डबल, आंकड़े जान रह जाएंगे हैरान, जानें पूरी बात

नई दिल्ली। एजेंसी

यूक्रेन में संघर्ष के चलते साल 2022 में पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भारत रूसी तेल का प्रमुख आयातक बन गया। रूस और भारत के बीच रूबल और रुपये में लेनदेन सुचारू रूप से चल रहा है।

भारत के साथ रूस का व्यापार तेजी से बढ़ रहा है और द्विपक्षीय भुगतान बिना किसी रुकावट के सुचारू रूप से आगे बढ़ रहे हैं। रूस के सबसे बड़े ऋणदाता, सेबरबैंक के डिप्टी सीईओ अनातोली पोपोव ने यह बात कही है। पोपोव ने मंगलवार को बताया कि भारत को रूस द्वारा किए जाने वाले सभी निर्यातों में से 70ऽ तक का भुगतान सेबरबैंक द्वारा किया जाता है। रॉयटर्स की खबर के मुताबिक, साल 2023 में भारत के साथ रूस का व्यापार लगभग दोगुना होकर 65 बिलियन डॉलर हो गया। यूक्रेन में संघर्ष के चलते साल 2022 में पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बाद भारत रूसी तेल का प्रमुख आयातक बन गया।

भारत में भी सेबरबैंक की हैं शाखाएं

खबर के मुताबिक, पोपोव ने बताया कि साल 2022 में, भारतीय बाजार में रूसी

व्यवसायों की रुचि में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है, क्योंकि यह बाजार एक विकल्प के रूप में कार्य करता है। भारत में सेबरबैंक की शाखा के दिल्ली और मुंबई में कार्यालय हैं, साथ ही बैंगलुरू में एक आईटी केंद्र भी है। इस वर्ष इसके भारतीय कार्यालयों में कर्मचारियों की संख्या में 150ऽ की बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने अप्रैल में कहा था कि वे बैंगलुरु में हब के लिए 300 आईटी कर्मियों को नियुक्त करना चाहते हैं।

पश्चिमी प्रतिबंधों पर कोई रोक नहीं

सेबरबैंक पश्चिमी प्रतिबंधों के अधीन है और इसलिए यह अमेरिकी डॉलर और यूरो में लेनदेन नहीं कर सकता है या अंतर्राष्ट्रीय हस्तांतरण के लिए SWIFT सिस्टम का उपयोग नहीं कर सकता है। हालांकि, पोपोव ने कहा कि बैंक को भारत में किसी भी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है। सेबरबैंक सभी भारतीय भुगतान और अंतर-बैंक प्रणालियों में पूर्ण भागीदार है। पोपोव ने कहा कि इसके संचालन पर कोई प्रतिबंध नहीं है। भारत किसी भी रूसी-विरोधी प्रतिबंध में शामिल नहीं हुआ है और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के BRICS समूह के एक साथी सदस्य रूस के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखता है।

रूबल और रुपये में लेनदेन

सेबरबैंक ने कहा कि रूबल और रुपये में लेनदेन सुचारू रूप से चल रहा है, जिनमें से 90% को पूरा होने में केवल कुछ घंटे लगते हैं। यह चीन जैसे अन्य व्यापारिक साझेदारों के विपरीत है। पोपोव ने जोर देकर कहा कि रूस को बढ़ते भारतीय निर्यात ने रूसी कंपनियों द्वारा रखे गए रुपये के अधिशेष की समस्या को हल करने में मदद की है, जिसने 2023 में द्विपक्षीय व्यापार को बाधित किया, क्योंकि रुपये का इस्तेमाल भारत से आयात के भुगतान के लिए किया गया था। पोपोव ने जोर देकर कहा कि संतुलित व्यापार हासिल करने के लिए, भारत को अभी भी रूस को अपने निर्यात को 10 गुना बढ़ाने की जरूरत है।

US से UAE तक... भारत में खूब लगा रहे पैसा

एफडीआई के आंकड़े दे रहे गवाही

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत, निवेश के लिए विदेशियों के लिए फेवरेट ठिकाना बना हुआ है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश या इ्रऊ के ताजा आंकड़े खुद बयां कर रहे हैं। इसमें चालू वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के दौरान जबर्दस्त उछाल आया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, ये 47 फीसदी से ज्यागा उछलकर 16.17 अरब डॉलर दर्ज किया गया है। भारत में अपना पैसा लगाने के मामले में अमेरिका से लेकर संयुक्त अरब अमीरात तक आगे हैं।

पहली तिमाही में FDI में इतना उछाल पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने इ्रऊ ध्र्ति्दे के जो आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में भारत में आने वाला एफडीआई सालाना आधार पर 47.8 फीसदी बढ़ कर 16.17 अरब डॉलर हो गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अप्रैल-जून तिमाही में देश में 10.94 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया था। इन्वेस्टमेंट के इस आंकड़े को देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि निवेश के लिए भारत विदेशियों का फेवरेट ठिकाना बन गया है। इस सेक्टर में सबसे ज्यादा आया निवेश भारत में आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सबसे ज्यादा सर्विस सेक्टर, कंप्यूटर, टेलीकॉम और फार्मा सेक्टर में बेहतर कैपिटल फ्लो से बढ़ा है। अगर महीनेवार FDI इनफ्लो के आंकड़ों पर गौर करें, तो मई 2024 में विदेशियों ने भारत में 5.85 अरब डॉलर का निवेश किया, तो वहीं जून महीने में 5.41 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। बता दें कि किसी एक देश की कंपनी का दूसरे देश में किया गया निवेश प्रत्यक्ष विदेशी निवेश कहलाता है।

ऐसे बदलते गए एफडीआई के आंकड़े सरकारी आंकड़ों को देखें, तो जबकि इसी साल मई में देश का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 5.85 अरब डॉलर और जून में 5.41 अरब डॉलर हो गया। इससे पिछले साल 2024 में मई में ये आंकड़ा 2.67 अरब डॉलर, जबकि जून में 3.16 अरब डॉलर था। बात अगर अप्रैल महीने की करें, तो इसमें इस साल गिरावट आई है और वित्त वर्ष 2023-24 के अप्रैल महीने में 5.1 अरब डॉलर की तुलना में ये घटकर स साल 4.91 अरब डॉलर रहा है. इन देशों ने लगाया भारत में तगड़ा पैसा भारत में आने वाले FDI में कई देशों ने इजाफा किया है और यहां निवेश करने के मामले में सबसे आगे जो देश हैं, उनमें मॉरिशस (Mauritius), सिंगापुर (Singapore), अमेरिका (US), नीदरलैंड्स (Netherlands), संयुक्त अरब अमीरात (UAE), केमैन द्वीप (Cayman Islands) और साइप्रस (Cyprus) शामिल हैं. इसके विपरीत जापान (Japan), ब्रिटेन (UK) और जर्मनी (Germany) से आने वाले एफडीआई में पहली तिमाही में कमी आई है। दिल्ली-राजस्थान नहीं, इन राज्यों में ज्यादा निवेश DPIIT के डाटा के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में विदेशी निवेशकों ने देश में सबसे ज्यादा पैसा महाराष्ट्र में लगाया है और ये 8.48 अरब डॉलर है। इसके बाद कर्नाटक में 2.28 अरब डॉलर, तेलंगाना में 1.08 अरब डॉलर और गुजरात में 1.02 अरब डॉलर का एफडीआई आया है। वहीं दिल्ली और राजस्थान में इ्रऊ इनफ्लो बीते साल के मुकाबले घटा है।

महंगाई-बेरोजगारी से दूर, भारत में खूब खरीदे जा रहे लाख रुपये वाले Smartphone, आंकड़े कर देंगे हैरान

नई दिल्ली। एजेंसी

एक तरफ देश में महंगाई को लेकर जोरदार हल्ला है। युवा नौकरी और भर्ती की राह तलाश रहे हैं। दूसरी तरफ भारत में एक वर्ग ऐसा भी है, जो लाखों रुपये के फोन को खरीदने से नहीं हिचक रहा है। कुल जमा कहने का मतलब यह है कि भारत में महंगे, लग्जरी फोन को खूब खरीदा जा रहा है। इसमें पिछले कुछ साल में जोरदार इजाफा दर्ज किया जा रहा है। आमतौर पर माना जाता था, कि भारत बजट स्मार्टफोन का एक बड़ा मार्केट है। लेकिन आंकड़े कुछ अलग ही कहानी बयां कर रहे हैं।

महंगे फोन की बढ़ी डिमांड

रिपोर्ट की मानें, तो पिछली कुछ तिमाही में भारत में लक्जरी स्मार्टफोन की सेल में इजाफा हुआ है। काउंटरपॉइंट रिसर्च रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया है कि भारत में 1 लाख रुपये और उससे ज्यादा कीमत के स्मार्टफोन की शिपमेंट में पिछले साल के मुकाबले बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अगर पिछले साल के मुकाबले बात करें, तो साल 2024 के तिमाही में स्मार्टफोन शिपमेंट में 20 फीसद की बढ़ोतरी हुई है, जो साल 2024 में साल दर साल 10 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। इस साल की पहली छमाही में 1 लाख रुपये और उससे ज्यादा की कीमत के स्मार्टफोन का मार्केट शेयर करीब 1 फीसदी से ज्यादा रहा है।

लग्जरी फोन की बढ़ी डिमांड

काउंटरप्वाइंट रिसर्च के सीनियर रिसर्चर तरुण पाठक की मानें, तो ग्ड्ष्ह्ला 16 सीरीज और गैलेक्सी फोल्डेबल सीरीज की लॉन्च के बाद साल की दूसरी तिमाही में महंगे स्मार्टफोन के शिपमेंट में जोरदार इजाफा देखने को मिल सकता है। साल 2021 में देश में लक्जरी या सुपर प्रीमियम स्मार्टफोन में साल दर साल के हिसाब से 14 फीसद की बढ़ोतरी देखी गई है। वही 2022 में बढ़ोतरी 96 फीसद हो गई है और 2023 साल में 53 फीसद हो गई है।

सैमसंग है लीडिंग

सैमसंग साल 2023 में 52 फीसद हिस्सेदारी के साथ सुपर प्रीमियम स्मार्टफोन मार्केट का लीडिंग स्मार्टफोन ब्रांड रहा है। इसके बाद 46 फीसद के साथ ऐपल का नंबर आता है। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के प्रभु राम के मुताबिक स्मार्टफोन मार्केट में भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। भारतीय ऐसे स्मार्टफोन को खरीद रहे हैं, जो बेहतर स्पेसिफिकेशन और फीचर्स देते हैं।

फर्जी कॉल में आएगी कमी!

ट्राई ने काटे 2.75 लाख फोन नंबर-इतनी कंपनियों की सर्विस भी बंद

नई दिल्ली। एजेंसी

ट्राई ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि फर्जी कॉल में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है। साल 2024 की पहली छमाही में बिना रजिस्ट्रेशन वाली टेली मार्केटिंग कंपनियों के खिलाफ 7.9 लाख से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं। अगर आपके पास मोबाइल फोन है तो आपके पास रोजाना कई अनचाही कॉल्स आती होंगी। इस समस्या से सिर्फ आम लोग ही नहीं बल्कि देश के बड़े-बड़े नेता और अधिकारी भी परेशान हैं। लेकिन जल्द ही लोगों को इस बड़ी समस्या से राहत मिलने लगेगी। जी हां, TRAI यानी टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने अनचाहे फोन कॉल और अनरजिस्टर्ड टेली-मार्केटिंग कंपनियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.75 लाख टेलीफोन नंबर काट दिए गए हैं। इतना ही नहीं, ट्राई ने 50 कंपनियों की सेवाएं भी बंद कर दी हैं।

ट्राई ने टेलीकॉम कंपनियों को दिए थे कड़े निर्देश

ये कार्रवाई टेलीकॉम रेगुलेटरी ट्राई की तरफ से हाल ही में अपनाए गए सख्त रुख के तहत की गई है। बताते चलें कि ट्राई ने टेलीकॉम कंपनियों से कहा था कि अनरजिस्टर्ड टेली मार्केटिंग कंपनियों को ब्लैक लिस्ट में डाला जाए और इनसे जुड़े नंबरों को बंद किया जाए।

2024 की पहली छमाही में दर्ज की गईं 7.9 लाख से ज्यादा शिकायतें

ट्राई ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि फर्जी कॉल में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिली है। साल 2024 की पहली छमाही में बिना रजिस्ट्रेशन वाली टेली मार्केटिंग कंपनियों के खिलाफ 7.9 लाख से ज्यादा शिकायतें दर्ज की गई हैं। ट्राई ने कहा कि इस पर लगाम लगाने के लिए 13 अगस्त, 2024 को सभी टेलीकॉम कंपनियों को कड़े निर्देश जारी किए गए थे और अनरजिस्टर्ड टेली मार्केटिंग कंपनियों पर तुरंत लगाम लगाने को कहा गया था।

ग्राहकों को राहत मिलने की उम्मीद

ट्राई ने कहा, ''इन निर्देशों को ध्यान में रखते हुए टेलीकॉम कंपनियों ने फर्जी कॉल के लिए टेलीकॉम संसाधनों के दुरुपयोग पर कड़े कदम उठाए हैं। उन्होंने 50 से ज्यादा कंपनियों को ब्लैक लिस्ट में डाल दिया है और 2.75 लाख से ज्यादा एसआईपी डीआईडी/ मोबाइल नंबर/ टेलीकॉम संसाधनों को बंद कर दिया है। इन कदमों से फर्जी कॉल में कमी आने और ग्राहकों को राहत मिलने की उम्मीद है।''

क्या भारत निर्यात के मामले में बांग्लादेश-वियतनाम से पिछड़ा? विश्व बैंक ने रिपोर्ट में दिया जवाब

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत का वैश्विक व्यापार इसकी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल नहीं रख पाया है। देश कम लागत वाले विनिर्माण निर्यात केंद्रों के रूप में बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रतिद्वंद्वियों से पिछड़ रहा है। विश्व बैंक ने एक रिपोर्ट में यह बात कही है।

बहुपक्षीय ऋणदाता विश्व बैंक ने मंगलवार को एक अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि पिछले एक दशक में भारत के सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार में गिरावट आई है। बावजूद इसके यह आर्थिक रूप से मजबूत है।

विश्व बैंक के अनुसार, परिधान, चमड़ा, वस्त्र और जूते के वैश्विक निर्यात में देश की हिस्सेदारी 2002 के 0.9% से बढ़कर 2013 में 4.5% के शिखर पर पहुंच गई। लेकिन उसके बाद 2022 में यह घटकर 3.5% रह गई। इसके विपरीत, इन वस्तुओं के वैश्विक निर्यात में बांग्लादेश की हिस्सेदारी 5.1% तक पहुंच गई, जबकि वियतनाम की हिस्सेदारी 2022 में 5.9% रही।

ऋणदाता ने कहा कि निर्यात को बढ़ावा देने और गहन श्रम आधारित विनिर्माण के मामले में चीन के पिछड़ने की स्थिति का लाभ उठाने के लिए जल्दी कदम उठाने चाहिए। भारत को व्यापार लागत कम करने, टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने और व्यापार समझौतों को संशोधित करने की आवश्यकता होगी।

विश्व बैंक की एक वरिष्ठ अर्थशास्त्री नोरा डिहेल ने नई दिल्ली में संवाददाताओं से कहा, 'यह एक ऐसा क्षेत्र है जिस पर भारत ध्यान केंद्रित कर सकता है।' यह कदम उठाने का समय है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षा भारत को विनिर्माण केंद्र बनाने की है। कारोबार जगत चीन से अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता ला रहा है। मोदी सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स और चिप-मेकिंग जैसे उद्योगों में निवेश आकर्षित करने के लिए अरबों डॉलर की सब्सिडी खर्च की है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत के निर्यात क्षेत्र तेजी से पूंजी का प्रवाह हो रहा है पर यह देश में लाखों बेरोजगार लोगों को काम पर रखने में असमर्थ हैं। विश्व बैंक ने अनुमान लगाया है कि निर्यात से संबंधित प्रत्यक्ष रोजगार 2012 में कुल घरेलू रोजगार के 9.5% के शिखर से गिरकर 2020 में 6.5% हो गया है। विश्व बैंक को उम्मीद है कि पिछले साल 8% से अधिक विस्तार के बाद भारत की अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में मार्च 2025 तक 7% की तीव्र गति से बढ़ती रहेगी। ऋणदाता ने कहा कि 2025-26 और 2026-27 में विकास दर संभवतः औसतन 6.7% होगी।

दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल देंगे लाल किताब के ये 5 उपाय, हर समस्या का मिलेगा समाधान

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

हिंदू धर्म में ज्योतिष और धर्म शास्त्रों को काफी ज्यादा महत्व दिया गया है। यह हमारे धर्म से जुड़ी कुछ ऐसी चीज हैं जिनके जरिए हमें जीवन और भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होता है। धर्म ग्रंथो में कुछ ऐसी चीजों का उल्लेख दिया गया है। जिनका पालन अगर व्यक्ति कर ले तो उसका जीवन सुख समृद्धि में गुजरता है। अपने जीवन में सुख समृद्धि पाने के लिए हर इंसान मेहनत करता है। लेकिन कई बार हर कोशिश कर लेने के बावजूद भी इंसान को वह हासिल नहीं हो पाता जो वो चाहता है। अगर आप भी अपने जीवन में इसी तरह की समस्या का सामना कर रहे हैं तो इसमें आपकी किस्मत का हाथ हो सकता है।

हम सभी ने यह बात सुनी होगी की किस्मत से ज्यादा और वक्त से पहले किसी को कुछ नहीं मिलता। लेकिन अगर कुछ धार्मिक उपायों पर ध्यान दे लिया जाए तो किस्मत को बदला जा सकता है। लाल किताब एक बहुत ही पौराणिक धार्मिक ग्रंथ है। इसमें व्यक्ति के जीवन से जुड़ी सभी परेशानियों का समाधान दिया गया है। चलिए आज आपको कुछ ऐसे उपाय बताते हैं जो आपकी सोई हुई किस्मत को जगा देंगे।

फिश एक्वेरियम

अगर आप अपनी सोई हुई किस्मत को फिर से जागना चाहते हैं तो घर में फिश एक्वेरियम रखें। इसमें आपको एक काले रंग की मछली के साथ दो गोल्डन फिश रखनी है। मछलियां आपका सारा दुर्भाग्य दूर कर देंगे।

चिड़ियों का दाना पानी

अगर आप अपनी किस्मत को चमकाना चाहते हैं और कामों में सफलता पाना चाहते हैं। तो हर दिन घर के बाहर या फिर अपनी बालकनी में चिड़ियों के लिए दाना पानी रखें।

शनि यंत्र

जो व्यक्ति अपने पास शनि यंत्र रखता है उसकी समस्या दूर होने लगती है। यह एक बहुत ही चमत्कारी यंत्र है। इसे पर्स में रखा जाए या फिर गले में पहना जाए तो यह आपके ऊपर आने वाली हर बाधा को टाल देता है। इससे सफलता की रहा भी खुलती है।

शादी विवाह

अगर घर में शादी विवाह की बात नहीं बन पा रही है और बार-बार कोई परेशानी आ रही है। इसके लिए तांबे के बर्तन में पानी और शक्कर मिलाकर रखें और जब भी घर से निकले इसे पीकर जाएं।

शीशा और घड़ी

अगर आपके घर में बंद घड़ी या फिर टूटा हुआ शीशा है तो इसे तुरंत हटा दें। घर में बंद घड़ी रखते हैं तो किस्मत भी घड़ी की तरह बंद हो जाती है। टूटा हुआ शिक्षा भी शुभ नहीं माना जाता। यह चीजें दुर्भाग्य को निमंत्रण देती है।

गणपति बप्पा मोरया का जय घोष क्यों होता है, कैसे हुई 'मोरया' शब्द की उत्पत्ति? जानिए

पं. श्री रमेशचंद व्यास
(चैनपुरा वाले)
ज्योतिषयाचार्य एवं रत्न विशेषज्ञ
मो. 9826345104

भगवान शिव के भक्तों को जिस तरह शैव कहा जाता है, विष्णु जी के भक्तों को वैष्णव कहा जाता है. ठीक वैसे ही गणपति के भक्तों को 'गणपत्य' कहा जाता हैं. वे मानते हैं कि गणेश ही परमात्मा/परब्रह्म हैं. संत अंक अनुसार, इस संप्रदाय के अनुयायी दक्षिण भारत और महाराष्ट्र, विशेषकर महाराष्ट्र और कर्नाटक में पाए जाते हैं. गणपति उत्सव के दौरान हम सभी नियमित रूप से 'गणपति बप्पा मोरया' का जाप करते हैं. पहले दो शब्द आसानी से समझ में आते हैं क्योंकि वे गणेश को हमारे पिता के रूप में संदर्भित करते हैं. लेकिन तीसरे शब्द 'मोरया' की उत्पत्ति के बारे में बहुत से लोग नहीं जानते.

कैसे हुई 'मोरया' शब्द की उत्पत्ति

मोरगांव, महाराष्ट्र के पुजारियों और स्थानीय लोगों के अनुसार, यह शब्द गणपत्य संप्रदाय के प्रवर्तक मोरया गोसावी को सम्मान देने के लिए कहा जाता है. गणेश जी ने उन्हें आशीर्वाद दिया था और घोषणा के हर बार जब उनका नाम लिया जाए तो उसके बाद 'मोरया' कहा जाए. इस प्रकार 'गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया' का जाप होता है.

कौन थे मोरया गोसावी

मोरया गोसावी के माता-पिता वामनभट्ट और उमाबाई मूल रूप से बीदर, कर्नाटक के थे, लेकिन वे मोरगांव में बस गए. गणेश जी उनके इष्ट देव थे. वामनभट्ट और उमाबाई को विवाह के बहुत वर्षों बाद एक पुत्र हुआ, जिसका उन्होंने उसका नाम 'मोरया' रखा क्योंकि वे अपने पुत्र को भगवान मोरया का उपहार मानते थे. मोरया ने अपने पिता से गणेशोपासना में दीक्षा ली. उनके माता-पिता की मृत्यु 125 और 105 वर्ष की उम्र में हुई. मोरया ने मोरगांव, थेउर और चिंचवड़ में तपस्या जारी रखी. वह चिंचवड़ में बस गए. उनकी तपस्या पवना नदी के किनारे दो किलोमीटर दूर की जाती थी. वह कई दिनों तक दूर्वा घास का रस पीते थे. एक बार वे 42 दिनों तक बिना उठे अपने आसन पर बैठे रहे. उन्होंने अपने तपोबल के कारण कई सिद्धियां प्राप्त कीं. उनकी शक्ति इतनी प्रबल थी कि बाघ उनके सामने शांत बैठ जाते थे और सांपों का विष समाप्त हो जाता था. उन्होंने कई चमत्कार किए जैसे अंधों को दृष्टि वापस लाना. उन्होंने अपनी पत्नी को ब्रह्मविद्या सिखाई. मोरया गोसावी ने अपने पुत्र का नाम चिंतामणि रखा. तुकाराम महाराज ने उसी पुत्र को चिंतामणि देव कहा. तब से उनका पारिवारिक नाम 'देव' हो गया. मोरया गोसावी ने संवत 1618 में पवना नदी के किनारे समाधि ली. आज भी महाराष्ट्र समेत देशभर में मोरया गोसावी के नाम का जय घोष होता है.

बुध और सूर्य की युति से बन रहा शुभ राजयोग

3 राशियों के मान सम्मान में होगी वृद्धि, मिलेगी अपार सफलता

पं. राजेश वैष्णव
शनि उपासक ज्योतिष रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ
98272 88490

यह राजयोग 1 साल बाद बुध की स्वराशि में बनता है। वैसे तो इस राजयोग का प्रभाव सभी राशियों पर देखने को मिलता है, लेकिन 3 राशियों का जीवन अच्छा और खुशहाल रहता है। तो अब जानिए कन्या राशि में बुधादित्य राजयोग बनने से किन राशियों की किस्मत चमकेगी।

सिंह राशि

सिंह राशि के दूसरे भाव में एक नया राजयोग बना है। इससे इस राशि वालों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और खूब धन लाभ होगा। फलस्वरूप आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी। नई दोस्ती आपको कई तरह से मदद करेगी। इस दौरान व्यापार विस्तार का अवसर भी मिलेगा। व्यापारियों को उच्च लाभ मिलने की संभावना अधिक है। सिंह राशि वालों का ज्ञान बढ़ेगा। आपको जीवन में तरक्की मिलेगी। समाज में आपका मान-सम्मान भी बढ़ेगा।

वृश्चिक राशि

वृश्चिक राशि के 11वें भाव में बुधादित्य राजयोग बनेगा। इससे आय में अच्छी वृद्धि होती है। व्यापारियों को अधिक लाभ मिलने की संभावना है। इससे आप कई कार्य सफलतापूर्वक पूरे कर लेंगे। अगर आपने पहले से निवेश किया है तो आपको इसमें अच्छा रिटर्न मिलेगा। नवविवाहितों को संतान प्राप्ति की संभावना है। आपकी सभी दीर्घकालिक इच्छाएं पूरी होंगी। आपके सोचे हुए काम सफलतापूर्वक पूरे होंगे।

मकर राशि

मकर राशि के 9वें भाव में बुधादित्य राजयोग बनेगा। इससे मकर राशि वालों का भाग्य अनुकूल रहेगा। आपको विदेश यात्रा का अवसर मिलेगा। आपको अपने जीवन में खुशियां मिलेंगी। व्यापार में और अधिक विकास होगा। कर्मचारियों को वेतन वृद्धि मिलने की संभावना है। काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है. यह यात्रा आपको आर्थिक लाभ दिलाएगी। मुख्य रूप से इस दौरान आप खूब पैसा कमाएंगे और बचाएंगे।

मोरपंख के ये 3 उपाय बदल देंगे जीवन होगी दिन दोगुनी रात चौगुनी तरक्की

डॉ. संतोष वाधवानी
अखिल भारतीय ज्योतिष वास्तु एसोसिएशन (प्रदेश प्रवक्ता)
सांसद प्रतिनिधि
इंदौर मध्य प्रदेश

हिंदू धर्म में ज्योतिष को काफी महत्वपूर्ण माना गया है। हम जो भी काम करते हैं उन सभी का संबंध कहीं ना कहीं ज्योतिष से होता है। हमारे दैनिक दिनचर्या में भी ऐसी चीज शामिल होती है जो ज्योतिष से संबंध रखती है। सनातन धर्म में वैसे भी सब कुछ ज्योतिष के इर्द गिर्द घूमता है। गृह प्रवेश, मुंडन, नामकरण, शादी विवाह सब कुछ ज्योतिष की दृष्टि से ही होता है। जब व्यक्ति किसी तरह की परेशानी में पड़ जाता है तो उसका समाधान भी ज्योतिष के जरिए ही ढूंढा जाता है। चलिए आज हम आपको मोर पंख से जुड़े कुछ ज्योतिष उपाय बताते हैं।

शुभ है मोरपंख

ज्योतिष की दृष्टि से मोर पंख बहुत शुभ माना गया है। दरअसल इसका संबंध भगवान कृष्ण से है। इसे सुख समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। घर की कुछ जगहों पर इसे रखना काफी शुभ माना गया है। घर में खुशहाली लेकर आता है। ये सभी लोगों को सफलता दिलाता है। चलिए जानते हैं कि इस कहां-कहां रखना चाहिए।

पूजा घर

ज्योतिष की दृष्टि से पूजा घर में मोर पंख रखना काफी शुभ माना गया है। ऐसा करने से घर खुशियों से भरा रहता है और कभी भी धन की कमी नहीं होती। मोरपंख सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है और घर में सुख शांति लेकर आता है। पूजा घर में अगर माता लक्ष्मी की मूर्ति है तो मोर पंख उन्हीं के पास लगाएं। ऐसा करने से आपको कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

तिजोरी या अलमारी

मोर पंख को घर की तिजोरी या फिर अलमारी में रखना भी शुभ माना गया है। अलमारी और तिजोरी में हम अपना धन रखते हैं और अगर इसके साथ मोर पंख रखा जाए तो धन में वृद्धि होती है।

प्रवेश द्वार

अगर आप चाहते हैं कि आपके घर में सकारात्मक वातावरण बना रहे और समृद्धि का प्रवेश हो तो आपको प्रवेश द्वार के पास मोर पंख लगाना चाहिए। ऐसा करने से घर में शांति बनी रहती है और क्लेश नहीं होता। इसके परिवार के लोगों ने आपसी प्रेम बढ़ता है।

नए शानदार रंग, नए फीचर्स और बढ़िया स्टाइल

रॉयल एनफील्ड ने लॉन्च की 2024 क्लासिक 350

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350, अपनी सदाबहार खूबसूरती, पुराने जमाने के आकर्षण, और मजबूत स्वभाव के साथ, 2008 में लॉन्च होने के बाद से शानदार ऑटोमोटिव डिजाइन, खूबसूरती और इंजीनियरिंग का प्रतीक रही है। इस मोटरसाइकल में हमेशा रॉयल एनफील्ड की असली पहचान बनी रही है। आज इसी मोटरसाइकिल का नया रूप, 2024 क्लासिक 350, लॉन्च किया गया है। 2024 क्लासिक 350 में रॉयल एनफील्ड के सभी खास गुण बरकरार हैं, और यह अपनी खूबसूरती के साथ-साथ लोगों के लिए आसानी से उपलब्ध भी है। नए फीचर्स और शानदार रंगों के साथ, नई 2024 क्लासिक 350 की शुरुआती कीमत 1,99,500ङ रुपये है। इसकी बुकिंग्स और टेस्ट राइड पूरे भारत में 1 सितंबर 2024 से शुरू हो रही है। क्लासिक 350 को पाँच नए वैरिएंट्स और सात शानदार रंगों में लॉन्च किया गया है - हेरिटेज (मैड्रास रेड और जोधपुर ब्लू), हेरिटेज प्रीमियम (मेडलियन ब्रॉन्ज), सिग्नल्स (कमांडो सैंड), डार्क (गन ग्रे और स्टील्थ ब्लैक) और क्रोम (एमरैल्ड)। 2024 रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 में एलईडी हेडलैंप्स, एलईडी पायलट लैंप, गियर पोजिशन इंडिकेटर, और टाइप सी यूएसबी चार्जिंग प्वाइंट जैसे बेहतरीन फीचर्स दिए गए हैं। इसमें रॉयल एनफील्ड की खास पहचान और स्टाइल को बनाए रखा गया है। इसके अलावा, टॉप मॉडल्स - एमरैल्ड और डार्क सीरीज में अडजस्टेबल लीवर, एलईडी ट्रैफिकेटर्स और ट्रिपर पॉड जैसी सुविधाएं भी दी गई हैं। रॉयल एनफील्ड के सीईओ, बी गोविंदराजन ने 2024 क्लासिक 350 के बारे में कहा, 'क्लासिक 350, रॉयल एनफील्ड की असली मोटरसाइकिल पहचान का सही रूप है। यह मोटरसाइकिल अपनी खूबसूरती, शानदार कारीगरी, और सदाबहार स्टाइल के लिए जानी जाती है।

इंस्टाग्राम ने भारत में उभरते हुए क्रिएटर्स को मदद देने के लिए क्रिएटर लैब लॉन्च की

कंटेंट 6 भारतीय भाषाओं - तमिल, तेलुगू, मलयालम, कन्नड़, बंगाली और हिंदी में उपलब्ध होगा

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

इंस्टाग्राम ने भारत में क्रिएटर लैब लॉन्च की। यह एक शैक्षणिक संसाधन है, जो क्रिएटर्स द्वारा क्रिएटर्स के लिए तैयार किया गया है। इस अभियान का उद्देश्य कंटेंट निर्माण में रुचि रखने वाले भारतीय युवाओं को सहयोग देना है। इंस्टाग्राम की स्वामी कंपनी, मेटा 2019 से क्रिएटर्स के लिए शैक्षणिक संसाधनों में निवेश कर रही है। क्रिएटर्स का शिक्षा व सशक्तीकरण कार्यक्रम 'बॉर्न ऑन इंस्टाग्राम' विस्तृत रूप से यह शिक्षा संभव बनाता है। यह क्रिएटर्स का एक समुदाय करता है, जो कंटेंट निर्माण के बारे में ज्यादा सीखने और साझेदारियों एवं धनलाभ के अवसरों का निर्माण करने के लिए उत्सुक है। 'बॉर्न ऑन इंस्टाग्राम' पर शैक्षणिक कंटेंट को अपडेट करने के लिए एक क्रिएटर लैब का लॉन्च किया गया है, जो उभरते हुए क्रिएटर्स के लिए एक नया संसाधन है। क्रिएटर लैब में क्रिएटर्स का कंटेंट शामिल होगा, जो अपने अनुभव एवं जानकारी साझा करेंगे और बताएंगे कि जब उन्होंने इसकी शुरुआत की थी, तब वो क्या जानना चाहते थे और ट्रायल एवं एरर द्वारा उन्होंने क्या सीखा है। मेटा इंडिया में डायरेक्टर, ग्लोबल पार्टनरशिप्स, पारस शर्मा ने कहा, ''हम क्रिएटर्स को खुद की स्वतंत्र अभिव्यक्ति करने और अपने तरीके से सफल होने में समर्थ बनाने के लिए समर्पित हैं। हम जानते हैं कि अलग-अलग लोगों के लिए सफलता का मतलब अलग-अलग होता है, और हम अपने उत्पाद के फीचर्स, प्रोग्राम्स, सहयोगों और आर्थिक अवसरों द्वारा निरंतर उन्हें लाभ पहुँचाने के रास्ते तलाश रहे हैं। उभरते हुए क्रिएटर्स की मदद करने के लिए हम क्रिएटर लैब का लॉन्च कर रहे हैं, जो क्रिएटर्स के लिए क्रिएटर्स द्वारा निर्मित कंटेंट प्रदान करेगी। हमारा उद्देश्य पूरे देश में क्रिएटर्स को इस अवसर का लाभ और अपने लक्ष्य प्राप्त करने में मदद करना है।''

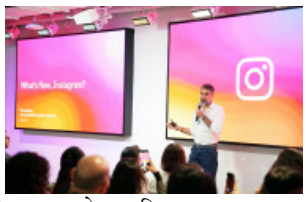

टाटा मोटर्स ने प्रवास 4.0 में सार्वजनिक यातायात के सुरक्षित, स्मार्ट और स्थायी समाधानों का प्रदर्शन किया

शहरों में सामूहिक गतिशीलता के लिए ऑल न्यू टाटा अल्ट्रा ईवी7 एम को लॉन्च किया

बेंगलुरु। एजेंसी

भारत के सबसे बड़े कमर्शल वाहन निर्माता टाटा मोटर्स ने प्रवास 4.0 में अत्याधुनिक सामूहिक गतिशीलता और सार्वजनिक यातायात के समाधानों का प्रदर्शन किया। यह हर दो साल में आयोजित किया जाने वाला 3 दिवसीय कार्यक्रम है, जहां सुरक्षित, स्मार्ट और स्थायी सामूहिक गतिशीलता के समाधानों का प्रदर्शन किया जाता है। कंपनी ने ऑल-न्यू टाटा अल्ट्रा ईवी 7एम को लॉन्च किया। यह शून्य कार्बन उत्सर्जन करने वाली शहर के भीतर चलने वाली पर्यावरण के लिहाज से स्वच्छ इलेक्ट्रिक बस सर्विस है, जिसे शहरों में लोगों के इधर-उधर जाने की जरूरतों को पूरा करने के लिए परफेक्ट तरीके से डिजाइन किया गया है। टाटा मोटर्स ने सार्वजनिक यातायात के साधनों की विभिन्न श्रेणियों का प्रदर्शन किया गया। इसमें टाटा मैग्ना ईवी, टाटा मैजिक बाई-फ्यूल, टाटा अल्ट्रा प्राइम सीएनजी, टाटा विंगर 9एस, टाटा सिटीराइड प्राइम और टाटा एलपीओ 1822 शामिल हैं। इन सभी वाहनों के निर्माण का उद्देश्य अलग-अलग कामों और अलग-अलग ड्यूटी के लिए कारोबारियों को उनके अनुकूल समाधान प्रदान करना है।

नई टाटा अल्ट्रा ईवी 7एम इलेक्ट्रिक बस में 21 यात्री आरामदायक तरीके से सफर कर सकते हैं। यह इलेक्ट्रिक बस 21 यात्रियों के लिए एक आरामदायक सवारी प्रदान करती है। यह वाहन संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले शहर की सड़कों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है। इसमें 213 किलोवॉट की इलेक्ट्रिक मोटर लगी है। यह आईपी-67 की रेटिंग वाली 200 केडब्ल्यूएच ली-आयन बैटरी से चलता है। अल्ट्रा ईवी 7एम एक बार चार्ज किए जाने पर 160 किमी तक की रेंज की पेशकश करता है। इसे केवल ढाई घंटे में पूरी तरह से चार्ज किया जा सकता है। टाटा अल्ट्रा ईवी 7एम में अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाएं, जैसे इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकिंग सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और नियंत्रण और ऑटोमैटिक पैसेंजर काउंटर शामिल है। यह अपने इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट सिस्टम (आईटीएस) से उच्च सुरक्षा मानकों पर खरा उतरता है। टाटा अल्ट्रा ईवी 7एम इलेक्ट्रिक बस में रीजेनरेटिव ब्रेकिंग टेक्नोलॉजी को शामिल किया गया है, जिससे इसकी दक्षता, प्रभावशीलता और रेंज बढ़ती है।

सैमसंग ने भारतीय ग्राहकों के लिए 10 बड़े साइज की कस्टम AI वॉशिंग मशीनें लॉन्च की हैं

बेंगलुरु। एजेंसी

भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज 10 बड़ी साइज की फ्रंट लोड वॉशिंग मशीनों की नई रेंज लॉन्च की है। ये AI-संचालित मशीनें भारतीय ग्राहकों के लिए कपड़े धोने को और भी आसान बना देती हैं, जिससे कपड़े धोना अब एक आसान काम बन गया है। नई वॉशिंग मशीनें 12 किलोग्राम के बड़े साइज में आती हैं, जिससे भारतीय ग्राहक एक बार में ज्यादा कपड़े धो सकते हैं। इसमें कंबल, पर्दे और साड़ियाँ जैसे बड़े कपड़े भी आसानी से धोए जा सकते हैं। सैमसंग इंडिया की नई 12 किलोग्राम AI वॉशिंग मशीनों की कीमत 52,990 रुपये से शुरू होती है। ये आधुनिक वॉशिंग मशीनें फ्लैट ग्लास डोर, बेस्पोक डिज़ाइन और AI वॉश, AI एनर्जी मोड, AI कंट्रोल और AI इकोबबल जैसी उन्नत सुविधाओं के साथ आती हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज के वरिष्ठ निदेशक सौरभ बैशाखिया ने कहा, 'भारतीय ग्राहक अब ऐसे डिजिटल उपकरणों को पसंद करते हैं जो बिना ज्यादा मेहनत के बेहतर धुलाई कर सकें और साथ ही बिजली और समय की भी बचत करें। हमारी नई 12 किलोग्राम AI-से चलने वाली वाशिंग मशीन उपभोक्ताओं को एक बार में ज्यादा कपड़े धोने की सुविधा देती है, जिससे उन्हें कम मेहनत में बेहतर परिणाम मिलते हैं। फ्रंट-लोड बेस्पोक AI वॉशिंग मशीनों की नई रेंज सरल और प्रभावी धुलाई प्रदान करती है। प्रीमियम बेस्पोक AI वॉशिंग मशीन रेंज के साथ, हमारा उद्देश्य उन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करना है जो प्रदर्शन, सुविधा और स्टाइल को प्राथमिकता देते हैं, और बड़ी क्षमता वाली वॉशिंग मशीनें पसंद करते हैं।''

मेरिल ने पेश किया न्यू एज स्युचरः सर्जिकल सटीकता में एक नई मिसाल

चेन्नई। एजेंसी

उन्नत चिकित्सीय समाधानों में अग्रणी मेरिल ने अपने नवीनतम नवाचार, न्यू एज स्युचर के लॉन्च की घोषणा की है। इसे सर्जरी के नतीजों को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह नया टांका मजबूती और विश्वसनीयता का प्रतीक है, जो सर्जिकल टांके लगाने की तकनीक में एक नया मानदंड स्थापित करता है।

मेरिल द्वारा यह समाधान ओपन, लेप्रोस्कोपिक और रोबोटिक सर्जरी की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किया गया है। इसे उच्च श्रेणी की मिश्रित धातुओं (अलॉइ) से तैयार किया गया है, जो असाधारण तनन शक्ति और लचीलापन प्रदान करता है, ताकि प्रदर्शन विश्वसनीय हो। पेटेंट की गई नुकीली डिज़ाइन और सिलिकॉन की मल्टी-कोटिंग के कारण यह कोमल उतकों में न्यूनतम आघात के साथ प्रवेश करता है, जबकि धारीदार (रिब्ड) डिज़ाइन बेहतर पकड़ सुनिश्चित करता है। इससे टांका लगाने की सूई के टूटने की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है, और सर्जिकल सटीकता व नियंत्रण में वृद्धि होती है। इसके अलावा, धागे को लंबा खींचने की सुविधा से गाँठ में मजबूती आती है, जिससे ऑपरेशन के बाद जटिलताओं का खतरा कम हो जाता है।

इस पेशकश के बारे में मेरिल के सीईओ, श्री विवेक शाह ने कहा कि, 'यह न्यू एज स्युचर भारत के साथ-साथ पूरे विश्व में सर्जिकल केयर को बेहतर बनाने के प्रति हमारी वचनबद्धता का प्रमाण है। अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और बेहतर इंजीनियरिंग के मेल से हमने एक ऐसा उत्पाद विकसित किया है जो न केवल सटीकता के उच्चतम मानदंडों पर खरा उतरता है, बल्कि अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के लिए स्पष्ट रूप से लाभकारी भी है। हमें पूरा भरोसा है कि आने वाले समय में सर्जिकल उत्कृष्टता के लिए यह न्यू एज स्युचर अपरिहार्य (अनिवार्य) हो जाएगा।'

ORGANISED BY
INDIAN PLASTPACK FORUM™
LEADING ORGANIZATION FOR PLASTICS AND PACKAGING IN M.P.

CO-ORGANISER
PMMAI
We Shape Plastics...

PLAST PACK 2025
OPPORTUNITIES FOR EVERYONE...

9 10 11 12 January 2025

Labhganga Exhibition Center Indore (M.P.)

BOOK YOUR STALLS NOW

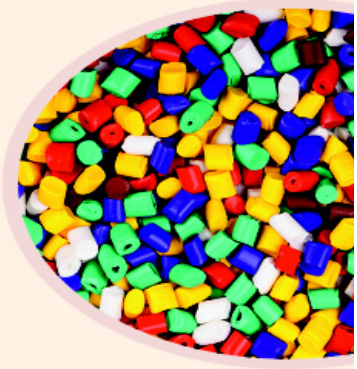

"STEP INTO THE EXPO AND UNLOCK A WORLD OF INNOVATION AND OPPORTUNITY"

Scan QR For Website

Scan QR For Whatsapp

87208 45887, 70492 86195, 96307 90330
plastpack25@gmail.com | www.ippf.in

Supported By

Industrial ENGINEERING EXPO

Supporting Associations

Media Partner
plastemart.com
प्लास्ट टाइम्स
ARCHER PUBLIC RELATIONS

Event Partner
BLUEHECK

Travel Partner
OnDuo Travels

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।